# 6-हाँ में हाँ

**(बुंदेलखंड की एक लोककथा)**

एक राजा थे। राज-काज से थक गए थे। एक दिन दरबार में मंत्री से बोले- "मंत्री जी, सोचता हूँ, हम लोग गंगा-स्नान कर आएँ।" राजा की बात सुनते ही मंत्री जी चट से बोले- "बहुत शुभ विचार है महाराज! आपके पूर्वजों ने तो कई बार गंगा जी की यात्रा की है। अवश्य चला जाए।"

राजा ने पूछा- "तो मंत्री जी, फिर चलने का कोई शुभ मुहूर्त निकलवाएँ।"

मंत्री बोले- "मुहूर्त की क्या बात महाराज ! सबसे बड़ा मुहूर्त इच्छा ही है। जिस दिन महाराज चलने का विचार करें वही शुभ मुहूर्त है।"

राजा बोले- "सवारी का प्रबंध भी तो होना चाहिए।"

मंत्री जी ने कहा- "हाँ महाराज, सवारी तो होनी ही चाहिए। गंगा जी बहुत दूर हैं, परंतु सवारी की आपके यहाँ क्या कमी है ? एक-से-एक बढ़कर सवारियाँ हैं।"

राजा ने पूछा- "कौन-सी सवारी ठीक रहेगी ?"

मंत्री जी बोले- "सवारी वही ठीक रहेगी जिसमें श्रीमान जी को सुविधा हो।"

राजा बोले- "मंत्री जी हाथी कैसा रहेगा ?"

मंत्री जी बोले- "उत्तम महाराज! हाथी जैसी सवारी ? वाह, क्या कहना ! आनंद से चले जा रहे हैं। जहाँ ठहरना चाहें, ठहर सकते हैं। जब चलना है, चलें। राजाओं की सवारी तो हाथी ही है। ठाट से हौदा कसा हो- महाराज की सवारी चली जा रही हो। आगे-पीछे नौकर-चाकर साज-सामान लिए चल रहे हों। दूर से देखने वाले देखें- कोई बड़ा रईस चला आ रहा है।"

राजा बोले - "गंगा जी तो बहुत दूर हैं। हाथी से तो महीनों में पहुँच पाएँगे। चींटी की चाल चलता है।"

मंत्री ने उत्तर दिया - "सो तो है ही महाराज। हाथी से ज्यादा सुस्त जानवर दूसरा नहीं।"

राजा ने कहा- "तो फिर ऊँट ?"

मंत्री जी बोले- "ऊँट ठीक है महाराज ! उत्तम सवारी है। कोसों की मंजिल एक दिन में पूरी करने के लिए ऊँट से बढ़कर कोई सवारी नहीं।"

राजा बोले- "परंतु कई दिनों का खटराग है। ऊँट पर बैठे-बैठे कूबड़ निकल आएगा। कमर तो टूट ही जाएगी। ऊँट बलबलाता भी बहुत है।"

मंत्री जी बोले- "छोड़िए भी ऊँट को। कमर दुःखने की बात तो है ही। आपका पेट भी हिल जाएगा। ऊँट भी कोई सवारी है ? ऊँट और गधे में अधिक अंतर नहीं।"

राजा ने कहा- "मेरी समझ में घोड़ा ठीक रहेगा।"

मंत्री जी ने कहा- "हाँ महाराज ! घोड़ा बिल्कुल ठीक है। मैदान हो, चाहे पहाड़ हो, घोड़ा सब जगह चला जाएगा। वीरों की सवारी है, और सब में शानदार। जी चाहे जहाँ रुकिए, जब चलिए। घोड़े की दुलकी चाल का क्या कहना ?"

राजा बोले- "पर एक बात है, घोड़े पर घंटों बैठना तो कठिन है। कायदे से बैठना पड़ता है।"

मंत्री जी बोले- "सो तो है ही महाराज ! काठीऔर काठ को एक समान समझिए। धूप अलग लगे, पानी से भी बचाव नहीं। मनमौजी जानवर है। जाने कब किस खाई-खंदक में पटक दे।"

राजा ने पूछा- "मंत्री जी, पालकी कैसी रहेगी ?"

मंत्री जी बोले- "पालकी का क्या कहना महाराज ! यही तो राजा की सवारी है।"

राजा बोले- "परंतु पालकी में बैठकर गंगा जी मंे स्नान के लिए जाने की बात कुछ जँचती नहीं। लोग हँसेंगे तो नहीं ?"

मंत्री जी ने कहा- "हँसने की बात तो है ही महाराज ! पालकी पर लदकर चलना तो जीते जी ही मुर्दों की तरह जाने के बराबर है।"

राजा ने कहा- "तब तो कोई सवारी ठीक ही नहीं बैठती। तो फिर मंत्री जी, गंगा स्नान के लिए जाने की बात रहने ही दें।"

मंत्री जी बोले- "उत्तम विचार है महाराज! घर में ही सब आनंद है। कहा भी गया है-

मन चंगा तो कठौती में गंगा।"

राजा ने कहा- "हाँ, तो फिर यही तय है। कौन इस यात्रा के पचड़े में पड़े।" और फिर राजा ने गंगा यात्रा का विचार त्याग दिया।

***इसे ही कहते हैं" झूठ-मूठ हाँ में हाँ मिलाना। बच्चो ! तुम इस आदत से बचना।"***

## अभ्यास

**शब्दार्थ-**

मुहूर्त = कार्य प्रारंभ करने का समय

पचड़ा = झमेला, झंझट

काठी= घोड़े की पीठ पर कसने वाली जीन, जिसके नीचे काठ लगा

बलबलाना = ऊँट का बोलना

मनमौजी = अपनी इच्छानुसार काम करने वाला

1. **बोध प्रश्न**: उत्तर लिखिए -

(क) लोक-कथा में किस तरह के लोगों पर व्यंग्य किया गया है ?

(ख) इस लोक-कथा में यातायात के किन-किन साधनों का नाम आया है ?

(ग) 'हाँ में हाँ' लोक-कथा से क्या सीख मिलती है ?

2. **सोच-विचार**: बताइए -

यदि मंत्री की जगह तुम होते तो सवारी के विषय में क्या सलाह देते और क्यों?

3. **भाषा के रंग** -

इस वर्ग पहेली में कुछ नदियों के नाम हैं। उन्हें ढूँढ़कर लिखिए -

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ब्र | य | मु | ना | ह | का | वे | री |
| ह | रा | च | ज | गो | दा | व | री |
| म | वी | प | गं | गा | झे | ल | म |
| पु | न | र्म | दा | क | गो | म | ती |
| त्र | थे | ना | य | स | ता | लु | ज |

4. **आपकी कलम से** -

इन बिंदुओं के आधार पर किसी स्थान की यात्रा की योजना बनाकर लिखिए -

कहाँ जाएँगे ?, किन-किन साधनों से जाएंगे ?, कौन-कौन साथ होंगे ?, वहाँ क्या-क्या करेंगे, खर्च का भी अनुमान करके लिखिए।

कलरव-4

5. **अब करने की बारी** -

(क) इस कहानी पर अपनी कक्षा में अभिनय कीजिए।

(ख) इसी प्रकार की अन्य लोक-कथाओं, हास्य कविताओं, चुटकुलों का संग्रह कीजिए।

(ग) पाठ में आए मुहावरे ढूँढ़िए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(घ) **पता कीजिए और लिखिए** -

- आपके घर से गंगा जी कितनी दूर हैं ?
- वहाँ किन-किन साधनों से जा सकते हैं ?
- आपके मत में वहाँ जाने के लिए सबसे अच्छा साधन कौन-सा होगा और क्यों ?

(ङ) हमारे आसपास बहुत-सी नदियाँ होती हैं जो हमारे बहुत काम आती हैं। वर्ष में कई पर्व-त्योहार आते हैं जब हम नदियों में स्नान करते हैं। बताइए -

- आपके आस-पास कौन-कौन सी नदियाँ हैं ?
- आपका परिवार इनमें कब-कब स्नान के लिए जाता है ?
- नदियों में स्नान करते समय हमें क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

(च) नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़िए और समझिए -

दो चूहे कहीं घूमने निकले। रास्ते में उन्हें हाथी मिला। एक चूहे ने मूँछें फड़काते हुए उससे लड़ने को कहा। हाथी ने लड़ने से मना कर दिया। दूसरे चूहे ने कहा कि वह हम दो से

घबरा गया है, लड़ेगा नहीं।

इस अनुच्छेद को संवाद शैली में बदल सकते हैं। परिवर्तन इस प्रकार से होगा -

एक चूहा - अरे ओ हाथी! बोल क्या हमसे लड़ेगा ?

दूसरा चूहा - रहने दे, वह घबरा गया है। हम दो हैं न। वह हमसे नहीं लड़ेगा।

स अब आप भी नीचे दिए गए अनुच्छेद को संवाद शैली में बदलिए -

फरजाना को स्कूल से घर आने में देर हो गई। मम्मी ने देर से आने का कारण पूछा। फरजाना ने बताया कि साइकिल की चैन टूट गई थी। उसे ठीक कराने में देर हो गई।

(छ) कविता को पढ़कर सवालों के उत्तर दीजिए -

***हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,***

***रंग-रूप, वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।***

***बेला, गुलाब, जूही, चंपा चमेली,***

***प्यारे-प्यारे फूल गूँथे माला में एक हैं।***

***गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,***

***जाके मिल गईं सागर में, हुई सब एक हैं।***

***कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर न्यारी,***

***गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक है।***

- **कविता में** -
- किन-किन फूलों के नाम हैं - .....

- किन-किन नदियों के नाम हैं - .....
- किन-किन पक्षियों के नाम हैं - .....
- **लिखिए, जो कविता में नहीं है** -
- पाँच फूलों के नाम - .....
- तीन नदियों के नाम - .....
- पाँच पशु-पक्षियों के नाम - .....
- कविता में किस बात को उभारा गया है - .....
- कविता को कोई प्यारा-सा शीर्षक दीजिए - .....

6. **मेरे दो प्रश्न**: पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए

7. **इस कहानी से** -

(क) मैंने सीखा - .....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - .....